आयुष्मान कार्ड व स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, 415 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण

(संवाददाता दीक्षालय प्रवाह)

कानपुर। संस्था सिन्धु विकास सेवा समिति ने सन्त कवरराम हाल सिन्धी कॉलोनी शास्त्री नगर कानपुर में विशाल आयुष्मान कार्ड एवं स्वास्थ्य शिविर का कैम्प लगाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अवनीश अवस्थी (मुख्य सलाहकार मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ उत्तर प्रदेश सरकार) ने भगवान श्री झूले लाल जी के आगे ज्योति प्राजुलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। लगभग 415 लोगो ने स्वास्थ परीक्षण कराया और 357 लोगो ने आयुष्मान कार्ड का पंजीयन करा कर कार्ड बनवाया। अमित खत्री ललित श्यामदासानी, श्याम लाल मूलचंदानी, विश्वनाथ आहूजा गौरव शिवानी ने आए हुए मुख्य अतिथि अवनीश अवस्थी को माला पहना कर स्वागत किया, बलवंत मखीजा, ने अंगवस्त्र तथा अनिल डोडवानी, महेश मखीजा श्याम बिजलानी कैलाश निहलानी जी ने मोमेंटो देकर सम्मान किया। कानपुर की सभी मन्दिर, दरबार, आश्रम पंचायतों के 20 मुखियों को अंगवस्त्र, माला पहनाकर व मोमेंटो देकर सभी का सम्मान किया। मुख्य अतिथि ने संस्था से कहा आप लोगो ने वरिष्ठ लोगों का आयुष्मान कार्ड बनवाकर समाज की सेवा की इस सन्दर्भ आप अति शीघ्र इन सभी वरिष्ठों को अयोध्या श्री राम जी के दर्शन कराने ले जाए सरकार पूरा सहयोग करेगी। कार्यक्रम के बाद आए हुए सभी लोगों ने भंडारा प्रसाद चखा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्याम लाल मूलचंदानी, अमित खत्री, ललित श्यामदासानी, अनिल डोडवानी, गौरव शिवानी, कैलाश नहलानी, बलवंत मखीजा, महेश माखीजा श्याम बिजलानी, घनश्याम छाबड़ा, चंद्र कुमार खिलवानी, रवि बदलानी, चंद्र भान मोहनानी, मनोज लालवानी, मुरारी चुग, बंटी सिधवानी, सुरेश कटारिया, बिहारी लाल बजाज, हरि गंगवानी, दिनेश कटारिया, सुरेश धमीजा, राजकुमार मोटवानी आदि थे।

जयहिंद टाकीज की छत पर भीषण आग

समय रहते टली बड़ी घटना

कानपुर (संवाददाता दीक्षालय प्रवाह)। शहर के गुमटी नंबर पांच स्थित रेलवे क्रॉसिंग के पास स्थित जयहिंद टाकीज में रविवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब बंद पड़ी टाकीज की छत पर रखे कबाड़ में अचानक आग भड़क उठी। दोपहर करीब 3रू30 बजे लगी इस आग से गुमटी बाजार में अफरा–तफरी मच गई। बाजार में ग्राहकों की चहल–पहल शुरू हो चुकी थी, तभी लोगों ने ऊपर से धुआं उठते देखा और शोर मच गया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। जिस समय आग लगी, बाजार सज चुका था और खरीदारी करने वालों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। जयहिंद टाकीज की छत पर कबाड़ में अचानक आग लगने से धुआं और लपटें उठने लगीं, जिससे आसपास के दुकानदार और ग्राहक घबरा गए। देखते ही देखते लोगों की भीड़ घटनास्थल के पास इकट्ठा हो गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही फजलगंज फायर स्टेशन से मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा के नेतृत्व में दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा ने बताया कि आग को समय रहते काबू में कर लिया गया, जिससे यह नीचे बाजार या अन्य दुकानों तक नहीं फैल सकी। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, जिससे एक बड़ी त्रासदी टल गई। भीड़–भाड़ वाले इलाके में आग लगने की यह घटना किसी बड़ी आपदा में बदल सकती थी, लेकिन दमकल विभाग की तत्परता और स्थानीय लोगों की सजगता से समय रहते हालात नियंत्रित कर लिए गए।

कृषि विश्वविद्यालय में पुराने ऐतिहासिक तालाब का विकास एवं चंदन वाटिका का निर्माण

(अनंत त्रिवेदी दीक्षालय प्रवाह)

कानपुर। कुलाधिपति उत्तर प्रदेश आंनदीवेन पटेल से प्राप्त निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग) कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत 10 वाले कार्यक्रमों में शामिल एक ऐतिहासिक तालाब का जीर्णोद्धार एक गैर सरकारी संस्थान के सहयोग से किया जा रहा है 6 जून को विश्वविद्यालय के अंदर ही स्थित 100 वर्ष पुराने तालाब का सौंदर्यीकरण कराते हुए चंदन वाटिका का निर्माण कार्य अधिष्ठाता वानिकी प्रोव कौशल कुमार की देख रेख में कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह जी के निर्देशन में प्रारंभ किया गया। वानिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ० कौशल कुमार द्वारा छात्र–छात्राओं के सहयोग से 51 सफेद चंदन के पौधों का रोपण कराकर चंदन वाटिका विकसित किया गया है इस अवसर पर कुलपति ने बताया कि इस चंदन वाटिका के विकसित होने के बाद छात्र–छात्राएं, कर्मचारी तथा विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रकृति की गोद में विश्राम कर इस सुगंधित वातावरण में हरी–भरी चंदन वाटिका में बैठ कर योग करके अपने स्वास्थ्य में सुधार कर सकेंगे। तालाब के आसपास के शेष भूमि में शोभाकारी पौधों का रोपण उद्यान विज्ञान के अधिष्ठाता डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी द्वारा कराया जा रहा है। इस अवसर पर डॉ. सीमा सोनकर, अधिष्ठाता गृहविज्ञान संकाय, डॉ. विजय यादव, डॉ. सरवेंद्र गुप्ता, प्रो सर्वेश कुमार, प्रो. राम जी गुप्ता, डॉ. विनीता, डॉ. रश्मि, डॉ. अर्चना, डॉ. अजय कुमार सिंह डॉ. अनिल कुमार सिंह के साथ साथ 250 से अधिक छात्र छात्राओं के साथ अन्य शिक्षको ने प्रतिभाग किया।

बिजली मूल्यवृद्धि के खिलाफ कांग्रेस का कटोरा सत्याग्रह

गोविंदनगर में कार्यकर्ताओं ने मांगी भीख, बोले– बिजली बिल भरने की नहीं बची ताकत

(संवाददाता दीक्षालय प्रवाह)

कानपुर। उत्तर प्रदेश में बिजली दरों में 30 प्रतिशत तक प्रस्तावित वृद्धि के खिलाफ कांग्रेस ने रविवार को अनोखे तरीके से विरोध जताया। कानपुर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन गुप्ता की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने गोविंदनगर बाजार में कटोरा लेकर 'भीख मांगो सत्याग्रह' किया और प्रदेश सरकार के इस फैसले को जनविरोधी करार दिया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रतीकात्मक रूप से कटोरे में भीख मांगते हुए कहा कि अगर बिजली की दरों में इस तरह की बेतहाशा वृद्धि हुई तो आम आदमी को अपना बिजली बिल चुकाने के लिए सचमुच भीख मांगनी पड़ेगी। पवन गुप्ता ने आरोप लगाया कि सरकार मनगढ़ंत घाटा दिखाकर जनता पर बोझ डाल रही है, जबकि आम आदमी की कमाई लगातार घट रही है। महानगर अध्यक्ष ने कहा कि यह वृद्धि छोटे व्यापारियों, मध्यम वर्गीय परिवारों और किसानों के लिए भारी संकट लेकर आएगी। पहले ही भाजपा की 11 साल की नीतियों ने इन वर्गों को आर्थिक संकट में डाल दिया है, अब यह प्रस्ताव उनकी कमर तोड़ देगा। कांग्रेस नेताओं ने इस प्रस्ताव को "क्रूर और अमानवीय" बताते हुए तत्काल वापस लेने की मांग की और चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इसे वापस नहीं लिया, तो कांग्रेस का सत्याग्रह और जनांदोलन लगातार चलता रहेगा। प्रदर्शन में पवन गुप्ता के साथ सुनीत त्रिपाठी, अजय प्रकाश तिवारी, महेश दीक्षित, विवेक सक्सेना, प्रभाकर पांडेय, दीपक त्रिवेदी, तारा श्रीवास्तव, कान्ता सहगल, राज रानी गुप्ता, मुन्नी देवी, रामा देवी, चिंटू वालिया, अभिषेक त्रिपाठी, सुरेन्द्रनाथ दीक्षित, कमल शर्मा, कमलाकांत तिवारी, ईशु पांडे, हरिओम शुक्ला, आदित्य पांडे, प्रथम वर्मा, मोहित दीक्षित, हर्षित ठाकुर, महेन्द्र सिंह भदौरिया, करमवीर सिंह, वेद प्रकाश सिंह और ओमनाथ तिवारी जैसे अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कृषि विश्वविद्यालय में पुराने ऐतिहासिक तालाब का विकास एवं चंदन वाटिका का निर्माण

(अनंत त्रिवेदी दीक्षालय प्रवाह)

कानपुर। कुलाधिपति उत्तर प्रदेश आंनदीवेन पटेल से प्राप्त निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग) कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत 10 वाले कार्यक्रमों में शामिल एक ऐतिहासिक तालाब का जीर्णोद्धार एक गैर सरकारी संस्थान के सहयोग से किया जा रहा है 6 जून को विश्वविद्यालय के अंदर ही स्थित 100 वर्ष पुराने तालाब का सौंदर्यीकरण कराते हुए चंदन वाटिका का निर्माण कार्य अधिष्ठाता वानिकी प्रोव कौशल कुमार की देख रेख में कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह जी के निर्देशन में प्रारंभ किया गया। वानिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ० कौशल कुमार द्वारा छात्र–छात्राओं के सहयोग से 51 सफेद चंदन के पौधों का रोपण कराकर चंदन वाटिका विकसित किया गया है इस अवसर पर कुलपति ने बताया कि इस चंदन वाटिका के विकसित होने के बाद छात्र–छात्राएं, कर्मचारी तथा विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रकृति की गोद में विश्राम कर इस सुगंधित वातावरण में हरी–भरी चंदन वाटिका में बैठ कर योग करके अपने स्वास्थ्य में सुधार कर सकेंगे। तालाब के आसपास के शेष भूमि में शोभाकारी पौधों का रोपण उद्यान विज्ञान के अधिष्ठाता डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी द्वारा कराया जा रहा है। इस अवसर पर डॉ. सीमा सोनकर, अधिष्ठाता गृहविज्ञान संकाय, डॉ. विजय यादव, डॉ. सरवेंद्र गुप्ता, प्रो सर्वेश कुमार, प्रो. राम जी गुप्ता, डॉ. विनीता, डॉ. रश्मि, डॉ. अर्चना, डॉ. अजय कुमार सिंह डॉ. अनिल कुमार सिंह के साथ साथ 250 से अधिक छात्र छात्राओं के साथ अन्य शिक्षको ने प्रतिभाग किया।

धावियों आईटी

ने लिया दाखिला

टॉप-50 रैंक में आने वाले 47 ईआईटी मुंबई में लिया था प्रवेश

ाईआईटी मुंबई में टॉप-50 रैंक में से 00 रैंक में 72, टॉप-200 में 100, 179 और टॉप-1000 रैंक पाने वाले त्रों ने प्रवेश लिया था। इसके बाद दिल्ली टॉपर्स की पसंद बना। इसमें दो, टॉप-100 में 23, टॉप-200 में 00 में 109, टॉप-1000 रैंक पाने त्रों ने प्रवेश लिया था। तीसरे नंबर पर ास था। यहां टॉप-50 में शून्य, टॉप- टॉप-200 में 30, टॉप-500 में 69 00 में 128 छात्रों ने दाखिला लिया आईआईटी कानपुर का नंबर आया।

ाईटी रोपड़, आईआईटी भिलाई, गोवा, आईआईटी पालक्कड़, तिरुपति, आईआईटी जम्मू, ावड़ में टॉप-1000 रैंक पाने वाले ने प्रवेश नहीं लिया। आईआईटी ांच, आईआईटी गांधीनगर में एक वला लिया।

सीएसए में तैयार होगी चंदन वाटिका, संवारा जाएगा तालाब

सीएसए में पौधारोपण करते अधिकारी। स्रोतः संस्थान

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में अब चंदन वाटिका तैयार होगी। विवि के कुलपति प्रो. आनंद कुमार सिंह ने 51 पौधों को लगाकर वाटिका स्थापना की शुरुआत की है। सीएसए के ऐतिहासिक तालाब का भी विकास कराया जाएगा।

कुलपति ने बताया कि कुलाधिपति के निर्देश पर ही तालाब का सुंदरीकरण किया गया है। एक गैर सरकारी संस्थान के सहयोग से तालाब का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग) कार्यक्रम शृंखला के तहत यह पहल की गई है। परिसर में स्थित 100 वर्ष पुराने तालाब का सौंदर्यीकरण और चंदन वाटिका के निर्माण कार्य की देखरेख की जिम्मेदारी अधिष्ठाता वानिकी प्रो. कौशल कुमार को दी गई है। इस अवसर पर उद्यान विज्ञान के अधिष्ठाता डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी, डॉ. सीमा सोनकर, डॉ. विजय यादव, डॉ. सरवेंद्र गुप्ता, प्रो. सर्वेश कुमार, प्रो. रामजी गुप्ता, डॉ. विनीता, डॉ. रश्मि, डॉ. अर्चना समेत अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। (ब्यूरो)

CIVIC, ब्रेकिंग, शहर

कृषि विश्वविद्यालय में पुराने ऐतिहासिक तालाब का विकास एवं चंदन वाटिका का निर्माण

June 8, 2025

निशंक न्यूज, कानपुर

उत्तर प्रदेश की कुलाधिपति आंनदीवेन पटेल से निर्देश पर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग) कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत होने वाले 10 कार्यक्रमों में शामिल एक ऐतिहासिक तालाब का जीर्णोद्धार एक गैर सरकारी संस्थान के सहयोग से किया जा रहा है। बताते चले कि 6 जून को विश्वविद्यालय के अंदर स्थित 100 वर्ष पुराने तालाब का सौंदर्यीकरण कराते हुए चंदन वाटिका का निर्माण कार्य अधिष्ठाता वानिकी प्रो.कौशल कुमार की देख रेख में शुरू किया गया है। वानिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ.कौशल कुमार द्वारा छात्र-छात्राओं के सहयोग से 51 सफेद चंदन के पौधों का रोपण कराकर चंदन वाटिका विकसित किया गया है इस अवसर पर कुलपति ने बताया कि इस चंदन वाटिका के विकसित होने के बाद छात्र- छात्राएं, कर्मचारी तथा विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रकृति की गोद में विश्राम कर इस सुगंधित वातावरण में हरी-भरी चंदन वाटिका में बैठ कर योग करके अपने स्वास्थ्य में सुधार कर सकेंगे।तालाब के आसपास के शेष भूमि में शोभाकारी पौधों का रोपण उद्यान विज्ञान के अधिष्ठाता डॉ.विवेक कुमार त्रिपाठी द्वारा कराया जा रहा है।

इस अवसर पर डॉ. सीमा सोनकर, अधिष्ठाता गृहविज्ञान संकाय, डॉ. विजय यादव, डॉ.सरवेंद्र गुप्ता, प्रो.सर्वेश कुमार, प्रो. राम जी गुप्ता, डॉ.विनीता, डॉ रश्मि, डॉ अर्चना, डॉ.अजय कुमार सिंह, डॉ.अनिल कुमार सिंह सहित 250 से अधिक छात्र छात्राओं के साथ अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

क ।नदर्श ।दए ह। डासौपा सैाउथ दापन्द्र नार्थ चार्थरा थाराआ म नाबेस्ता यार्न म मुर्कीदेमा देज करोया था। करन क ।नदश ।दए ह।

सीएसए में ऐतिहासिक तालाब का विकास एवं चंदन वाटिका का निर्माण

परिसर में 51 सफेद चंदन के पौधे भी रोपित किये गये

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 8 जून। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आंनदीवेन पटेल के निर्देश के तहत सीएसए के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग) कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत 10 वाले कार्यक्रमों के तहत ऐतिहासिक तालाब का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है जिसमें एक गैर सरकारी संस्थान के सहयोग लिया गया। बीते 6 जून को विश्वविद्यालय के अंदर ही स्थित 100 वर्ष पुराने तालाब का सौंदर्यीकरण कराते हुए चंदन वाटिका का निर्माण कार्य अधिष्ठाता वानिकी प्रो.कौशल कुमार की देख रेख में कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देशन में प्रारंभ किया गया। वानिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. कौशल कुमार द्वारा छात्र-छात्राओं के सहयोग से 51 सफेद चंदन के पौधों का रोपण कराकर चंदन वाटिका विकसित किया गया है। इस अवसर पर कुलपति ने बताया कि इस चंदन वाटिका के विकसित होने के बाद छात्र- छात्राएं, कर्मचारी तथा विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रकृति की गोद में विश्राम कर इस सुगंधित वातावरण में हरी-भरी चंदन वाटिका में बैठ कर योग करके अपने स्वास्थ्य में सुधार कर सकेंगे। तालाब के आसपास के शेष भूमि में शोभाकारी पौधरोपण भी किया जा रहा है। इस अवसर पर डॉ. सीमा सोनकर, अधिष्ठाता गृहविज्ञान संकाय, डॉ. विजय यादव, डॉ सरवेंद्र गुप्ता, प्रो सर्वेश कुमार, प्रो. राम जी गुप्ता, डॉ विनीता, डॉ रश्मि, डॉ अर्चना, डॉ अजय कुमार सिंह, डॉ अनिल कुमार सिंह के साथ-साथ 250 से अधिक छात्र-छात्राओं के साथ अन्य शिक्षको ने प्रतिभाग किया।

पौधरोपण करते शिक्षक।